Notes

* निर्देशन का अर्थ (Meaning of Guidance) :-

मानव इस संसार मे ईश्वर कृति है। क्योकी उसके पास भाषा, बुद्धि, विवेक आदि अनेक गुण है। लेकिन वह अपना विकास केवल अपनी बुद्धि और विवेक द्वारा ही नही कर सकता। इसके लिये उसे दूसरो की सहायता लेनी पड़ती है। जब मानव विकास पथ पर अग्रसर होने के लिये दूसरे के अनुभव, बुद्धि और विवेक का सहारा लेता है। तो दूसरे व्यक्ति के द्वारा इस प्रकार की गयी सहायता निर्देशन कहलाती है।

निर्देशन अमुर्त संकल्पना है।

निर्देशन वस्तुत: पथ प्रदर्शन है। जैसे:- कोई व्यक्ति चौराहे पर खड़ा है। वह चलना जानता है। तथा यह भी जानता है कि चारो रास्तो मे से कोई एक रास्ता उसके गन्तव्य का रास्ता बताना निर्देशन है। वस्तुत: निर्देशन प्रक्रिया मे निर्देशक किसी व्यक्ति के द्वारा गन्तव्य का रास्ता बताना निर्देशन है।

Notes

वस्तुतः निर्देशन प्रक्रिया में निर्देशक किसी व्यक्ति के अन्दर ज्ञान का विकास नही करता अपितु उस व्यक्ति के अन्दर पहले से उपस्थित ज्ञान को एक सही मार्गदर्शन देकर उसे उसके लक्ष्य तक पहुँचाता है। बिना निर्देशन के कोई भी समाज चल ही नही सकता। मानव जन्म से लेकर मृत्यु तक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी न किसी से निर्देशन प्राप्त करता ही रहता है। बाल्यकाल मे ही माँ द्वारा बच्चे को उसका हाथ पकड़कर चलना सिखाना, बड़े होने पर उसे नैतिक कहानियाँ सुनाना तथा उसी के द्वारा अपने जीवन की दिशा निर्धारित करने के लिये प्रेरित करना भी तो एक प्रकार का निर्देशन ही है।